# प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 8

## कक्षा–10 परीक्षा 2022–23

## हिन्दी–ब (कोड–085)

निर्धारित समय– 3 घंटे | पूर्णांक – 80

**सामान्य निर्देश–**

1. इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं– खंड 'अ' और 'ब'।
2. खंड 'अ' में उपप्रश्नों सहित 45 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए कुल 40 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
4. निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए।
5. दोनों खंड़ों के कुल 18 प्रश्न हैं। दोनों खंड़ों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
6. यथासभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

---

## खंड अ – (वस्तुपरक प्रश्न)

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इसके आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–** $(1 \times 5 = 5)$

प्रत्येक व्यक्ति का जीवन संघर्षों से भरा होता है। जीवन का कोई भी रास्ता सफल अथवा निर्बाध नहीं होता। कामयाबी के हर रास्ते में कई मुश्किलों का आना तय है। हर बड़ी सफलता के पीछे अनेक छोटी–छोटी असफलताएँ छिपी रहती हैं। किसी बड़े पत्थर के टुकड़े करने के लिए हमें उस पर असंख्य प्रहार करने पड़ते हैं। अंत में एक प्रहार ऐसा होता है कि वह पत्थर को दो टुकड़ों में बाँट देता है। लेकिन क्या अंतिम प्रहार से पहले किए गए सारे प्रहार निरर्थक थे? नहीं। ऊपर से बेशक पहले का हर प्रहार निरर्थक लगता हो, लेकिन हर प्रहार पूरी तरह सार्थक था, क्योंकि उन प्रहारों में ही अंतिम प्रहार की सफलता छिपी हुई थी। हर चोट ने निरंतर उस पत्थर को टूटने के अधिकाधिक निकट ला दिया था। वास्तव में थोड़ी–बहुत असफलताओं के बिना सफलता संभव ही नहीं। व्यक्ति अपनी सफलताओं की बजाय असफलताओं से सीखता है। हर सफलता से उसे पुनर्मूल्यांकन का अवसर मिलता है। हर असफलता से उसे पुर्नूल्यांकन का अवसर मिलता है। सफलता के बाद हम कभी अपना पुनर्मूल्यांकन नहीं करते। समस्या आए बगैर हम रास्ता नहीं खोजते। समस्याएँ ही हमें उपाय खोजने के लिए प्रेरित करती हैं, हमें चिंतनशील बनाती हैं, हम में धैर्य का विकास करती हैं। ठोकर खाने के बाद ही हम अपनी असफलता का कारण जानने का प्रयास करते हैं। उसके बाद ही नए सिरे से आगे बढ़ने के लिए अपनी क्षमता का विकास करते हैं। जीवन की हर असफलता किसी बड़ी सफलता का आधार बनती हैं।

(1) जीवन का कोई भी रास्ता नहीं होता–
(क) बाधा रहित
(ख) बाधायुक्त
(ग) दुखद
(घ) बहुत लंबा

(2) हर बड़ी सफलता के पीछे क्या छिपा रहता हैं–
(क) धन–दौलत
(ख) छोटी–छोटी असफलता
(ग) एक सुनहरा भविष्य
(घ) एक बड़ा इतिहास

(3) बड़े पत्थर के टुकड़े को तोड़ने में उस पर पड़ने वाले किस प्रहार का अधिक महत्त्व हैं–

(क) पहले प्रहार का

(ख) दूसरे प्रहार का

(ग) प्रत्येक प्रहार का

(घ) अंतिम प्रहार का

(4) व्यक्ति अपनी सफलताओं की अपेक्षा असफलताओं से अधिक क्यों सीखता हैं–

(क) असफलता उसे बलवान बनाती है

(ख) असफलता उसकी बुद्धि को बढ़ाती है

(ग) असफलता उसे ज्ञानी बनाती है।

(घ) असफलता उसे पुनर्मूल्यांकन का अवसर देती है।

(5) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।

**कथन (A)** : हर बड़ी सफलता के पीछे अनेक छोटी–छोटी असफलताएँ छिपी रहती हैं।

**कारण (R)** : वास्तव में थोड़ी बहुत असफलताओं के बिना सफलता संभव ही नहीं हैं।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत है।

(ख) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

(ग) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

2. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इसके आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–** $(1 \times 5 = 5)$

साहित्य की शाश्वतता का तात्पर्य है– हर काल एवं परिस्थिति में अपनी उपयोगिता बनाए रखना एवं प्रासंगिकता को कम न होने देना। साहित्य की शाश्वतता का प्रश्न एक महत्त्वपूर्ण प्रश्न है। क्या साहित्य शाश्वत होता है? यदि हाँ, तो किस मायने में? क्या कोई साहित्य अपने रचनाकाल के सौ वर्ष बीत जाने पर भी उतना ही प्रासंगिक रहता है, जितना वह अपनी रचना के समय था? अपने समय या युग का निर्माता साहित्यकार क्या सौ वर्ष की परिस्थितियों का भी युग–निर्माता हो सकता है। समय बदलता रहता है, परिथितियाँ औेर भावबोध बदलते हैं, साहित्य बदलता है और इसी के समानांतर पाठक की मानसिकता और अभिरूचि भी बदलती है। अतः कोई भी कविता अपने सामयिक परिवेश के बदल जाने पर ठीक वही उत्तेजना पैदा नहीं कर सकती, जो उसने अपने रचनाकाल के दौरान की होगी। कहने का तात्पर्य यह है कि एक विशेष प्रकार के साहित्य के श्रेष्ठ अस्तित्व मात्र से वह साहित्य हर युग के लिए उतना ही विशेष आकर्षण रखे, यह आवश्यक नहीं है। यही कारण है कि वर्तमान युग में इंगला–पिंगला, सुषुन्मा, अनहद, नाद आदि पारिभाषिक शब्दावली मन में विशेष भावोत्तेजन नहीं करती। साहित्य की श्रेष्ठता मात्र ही उसके नित्य आकर्षण का आधार नहीं है। उसकी श्रेष्ठता का युगयुगीन आधार हैं, वे जीवन–मूल्य तथा उनकी अत्यंत कलात्मक अभिव्यक्तियों जो मनुष्य की स्वतंत्रता तथा उच्चतर मानव–विकास के लिए पथ–प्रदर्शक का काम करती है। पुराने साहित्य का केवल वहीं श्री–सौंदर्य हमारे लिए ग्राह्य होगा, जो नवीन जीवन–मूल्यों के विकास में सक्रिय सहयोग दे अथवा स्थिति रक्षा में सहायक हो। कुछ लोग साहित्य की सामाजिक प्रतिबद्धता को अस्वीकार करते हैं। वे मानते हैं कि साहित्यकार निरपेक्ष होता है और उस पर कोई भी दबाव आरोपित नहीं होना चाहिए, किंतु वे भूल जाते हैं कि साहित्य के निर्माण की मूल प्रेरणा मानव–जीवन में ही विद्यमान रहती है। जीवन के लिए ही उसकी सृष्टि होती है। तुलसीदास जब स्वांतः सुखाय काव्य–रचना करते हैं, तब अभिप्राय यह नहीं रहता कि मानव–समाज के लिए इस रचना का कोई उपयोग नही हैं, बल्कि उनके अंतः करण में संपूर्ण संसार की सुख भावना एवं हित कामना सन्निहित रहती है, जो साहित्यकार अपने संपूर्ण व्यक्तित्व को व्यापक लोक जीवन में सन्निविष्ट कर देता हैं, उसी के हाथों स्थायी एवं प्रेरणाप्रद साहित्य का सृजन हो सकता है।

(1) साहित्य की श्रेष्ठता का निर्धारण सुनिश्चित करता है

(क) व्यक्ति को बहुमुखी प्रतिभा का धनी बनाना

(ख) लोक व्यवहार की पराकष्ठा पर प्रतिक्रिया देना

(ग) सांस्कृतिक व ऐतिहासिक विरासत को बाधित करना

(घ) पथ–प्रशस्त कर मूल्यों का समावेशन करके कला भाव जगाना

(2) नवीन जीवन–मूल्यों के विकास में सक्रिय सहयोग से आशय है–
(क) स्वांत–सुखाय की कामना कर आगे बढ़ना
(ख) श्री–सौंदर्य को प्राथमिकता देकर आगे बढ़ना
(ग) नवाचार व मूल्यों को आत्मसात कर आगे बढ़ना
(घ) वर्तमान में साहित्य के माध्यम से आगे बढ़ना

(3) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
(i) समय के साथ–साथ साहित्य और पाठकों की मानसिकता और अभिरूचि भी बदलती है।
(ii) साहित्य की श्रेष्ठता मात्र ही उसके आकर्षण का आधार है।
(iii) कुछ लोग साहित्य की सामाजिक प्रतिबद्धता को स्वीकार करते हैं।
उपयुक्त कथनों में से कौन–सा/कौन–से सही हैं/हैं–
(क) केवल (i)
(ख) (i) और (iii)
(ग) (i) और (ii)
(घ) (ii) और (iii)

(4) 'कोई साहित्य अपने रचनाकाल के सौ वर्ष बीत जाने पर भी उतना ही प्रासंगिक रहता है।' कथन के आधार पर उचित तर्क हैं–
(क) साहित्य की श्रेष्ठता मात्र ही उनके नित्य आकर्षण का आधार नहीं है
(ख) संपूर्ण साहित्य का स्थायी व स्पष्ट आधार नहीं है
(ग) लोक कल्याणकारी, स्थायी एवं प्रेरणाप्रद साहित्य होने की दशा में
(घ) पारिभाषिक शब्दावली द्वारा स्पष्टीकरण करने की दशा में

(5) 'साहित्यकार निरपेक्ष होता हैं और उस पर कोई भी दबाव आरोपित नहीं होना चाहिए।' कथन किस मनोवृत्ति को प्रकट करता है–
(क) सामाजिक कार्यकर्ताओं की विचारधारा
(ख) साहित्य की शाश्वत क्रियाशील विचारधारा
(ग) समाज के प्रति वचनबद्धता का अभाव
(घ) निरपेक्ष व्यक्तियों की सकारात्मकता।

**3. निर्देशानुसार 'पदबंध' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** **$(1 \times 4 = 4)$**

(1) 'थका–हरा' मजदूर लेटते ही सो गया।'– इस वाक्य में रेखांकित पदबंध है–
(क) संज्ञा पदबंध
(ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध
(घ) क्रिया पदबंध

(2) 'आप तो बहुत मालदार है।'–इस वाक्य में विशेषण पदबंध है–
(क) आप तो
(ख) बहुत मालदार
(ग) तो बहुत
(घ) मालदार है

(3) क्रिया पदबंध का उदाहरण छाँटिए–
(क) अभागी वह करती भी तो क्या करती?
(ख) घर के चारों ओर पेड़ लगे हैं।
(ग) राम के भाई से चला नहीं जाता।
(घ) मुझे सब सुनाई दे रहा है।

(4) 'लंबी सफेद दाढ़ी वाला एक व्यक्ति आया है।'– इस वाक्य में रेखांकित पदबंध है–
(क) संज्ञा पदबंध
(ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) क्रिया पदबंध
(घ) विशेषण पदबंध

(5) 'उसने तताँरा को तरह–तरह से अपमानित किया।'– इस वाक्य में रेखांकित पदबंध का प्रकार है–
(क) विशेषण पदबंध
(ख) क्रिया विशेषण पदबंध
(ग) सर्वनाम पदबंध
(घ) क्रिया पदबंध

4. **निर्देशानुसार 'रचना' के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** **$(1 \times 4 = 4)$**

(1) 'नूह ने उसकी बात सुनी और दुःखी हो मुद्दत एक रोते रहें। इस वाक्य का सरल वाक्य के रूप में रूपांतरित वाक्य है–
(क) जब नूह ने उसकी बात सुनी तब वे दुःखी हो गए और मुद्दत तक रोते रहे।
(ख) नूह उसकी बात सुनकर दुःखी हो मुद्दत तक रोते रहे।
(ग) नूह ने दुःखी होकर उसकी बात सुनी और मुद्दत तक होते रहे।
(घ) चूँकि नूह ने उसकी बात सुनी इसलिए वे दुःखी हो मुद्दत तक रोते रहे।

(2) 'जब असफल हो गए तो शोक करना व्यर्थ है।'' इस वाक्य का भेद हैं–
(क) मिश्र वाक्य
(ख) प्रधान वाक्य
(ग) सरल वाक्य
(घ) संयुक्त वाक्य

(3) तताँरा को देखकर वामीरो फूट–फूटकर रोने लगी।' इस वाक्य का मिश्र वाक्य में रूपांतरण होगा–
(क) तताँरा को देखा और वामीरो फूट–फूटकर रोने लगी।
(ख) जैसे ही तताँरा को देखा, वीमोरा फूट–फूटकर रोने लगी।
(ग) वीमोरो ने तताँरा को देखा, इसलिए फूट–फूटकर रोने लगी।
(घ) तताँरा को देखते ही वीमारो ने फूट–फूटकर रोना आरंभ कर दिया।

(4) निम्नलिखित वाक्यों में संयुक्त वाक्य है–
(क) संसार में रचना कैसे भी हुई हो लेकिन धरती किसी एक की नहीं है।
(ख) सहसा नारियल के झुरमटों में उसे एक आकृति कुछ साफ हुई।
(ग) बार–बार तताँरा का याचना भरा चेहरा उसकी आँखों में तैर जाता था।
(घ) मेरे जीवन में यह पहली बार है मैं इस तरह से विचलित हुआ हूँ।

(5) 'सुधा अधिक बोलती है या राधा।' इस वाक्य का भेद है–
(क) सरल वाक्य
(ख) संयुक्त वाक्य
(ग) मिश्र वाक्य
(घ) इनमें से कोई नहीं

5. **निर्देशानुसार 'समास' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** $(1 \times 4 = 4)$

(1) 'शुभदिन' में कौनसा समास है?
(क) तत्पुरूष समास
(ख) कर्मधारय समास
(ग) द्विगु समास
(घ) द्वंद्व समास

(2) 'घुड़साल' का समास विग्रह है–
(क) घोड़े की साल
(ख) घोड़ों के लिए शाला
(ग) घोड़ों को शाला
(घ) घोड़ों से शाला

(3) निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए–

| | समस्तपद | | समास |
|---|---|---|---|
| (i) | वनवास | (i) | बहुव्रीहि समास |
| (ii) | आटा–दाल | (ii) | द्वंद्व समास |
| (iii) | महर्षि | (iii) | कर्मधारय समास |
| (iv) | घनश्याम | (iv) | तत्पुरूष समास |

उपयुक्त युग्मों में से कौन–से सही सुमेलित हैं–
(क) (i) और (iv)
(ख) (i) और (iii)
(ग) (ii) और (iii)
(घ) (ii) और (iv)

(4) 'गुरूदक्षिणा 'शब्द के सही समास विग्रह और समास का चयन कीजिए–
(क) गुरू से दक्षिणा – तत्पुरूष समास
(ख) गुरू का दक्षिणा – तत्पुरूष समास
(ग) गुरू की दक्षिणा – तत्पुरूष समास
(घ) गुरू के लिए दक्षिणा – तत्पुरूष समास

(5) 'अष्टाध्यायी 'शब्द के लिए सही समास विग्रह और समास का चयन कीजिए–
(क) आठ अध्यायों का समाहार – द्विगु समास
(ख) आठ हैं जो अध्याय – बहुव्रीहि समास
(ग) अष्ट और अध्याय – द्वंद्व समास
(घ) अष्ट के अध्याय – तत्पुरूष समास

6. **निर्देशानुसार 'मुहावरे' पर आधारित छह बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** $(1 \times 4 = 4)$

(1) मुहावरे और अर्थ के उचित मेल वाले विकल्प का चयन कीजिए–
(क) घुड़कियाँ खाना – साहस प्राप्त होना
(ख) तलवार खींचना – सब कुछ नष्ट करना
(ग) पन्ने रँगना – व्यर्थ में लिखना
(घ) आग– बूबला होना – अपने वश में रहना

(2) 'होश में न रहना' अर्थ के लिए उचित मुहावरा है–
(क) आँख लगना
(ख) साँप सूँघना
(ग) आपे से बाहर होना
(घ) सुध–बुध खोना

(3) सड़क पर गाड़ी तेज चलाने का मतलब है .................. कब दुर्घटना हो जाए भरोसा नहीं। रिक्त स्थान के लिए उचित मुहावरा चुनिए
(क) घड़ों पानी पड़ना
(ख) सिर पर तलवार लटकना
(ग) आकाश से तारे तोड़ना
(घ) तीन–तेरह होना

(4) परीक्षा के दिनों में छात्र पढ़ते–पढ़ते ..................। उपयुक्त विकल्प से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए
(क) आड़े हाथों लेते हैं
(ख) आँखें फोड़ लेते हैं
(ग) आँखों में धूल झोंकते हैं
(घ) दाँतों तले उँगली दबा लेते हैं

(5) रेखांकित अंश के लिए कौन–सा मुहावरा प्रयुक्त करना उचित रहेगा–
जबसे रमेश ने नौकरी छोड़ व्यापार शुरू किया है वह तो <u>बहुत अधिक परिश्रमी</u> बन गया है।
(क) कोल्हू का बैल
(ख) ठन–ठन गोपाल
(ग) अड़ियल टट्टू
(घ) गोबर गणेश

(6) 'स्वार्थ सिद्ध करना' अर्थ के लिए उपयुक्त मुहावरा है–
(क) अपना राग अलापना
(ख) आँखे चुराना
(ग) पीठ दिखाना
(घ) अपना उल्लू सीधा करना।

**7. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–** $(1 \times 5 = 5)$

पावस ऋतु थी, पर्वत प्रदेश,
अवलोक रहा है बार–बार
पल–पल परिवर्तित प्रकृति–वेश।
नीचे जल में निज महाकार,
मेखलाकार पर्वत अपार
जिसके चरणों में पला ताल
अपने सहस्त्र दृग–सुमन फाड़,
दर्पण–सा फैला है विशाल है!

(1) पद्यांश में किस ऋतु का वर्णन किया गया है?
(क) शरद ऋतु का
(ख) ग्रीष्म ऋतु का
(ग) वर्षा ऋतु का
(घ) वसंत ऋतु का

(2) पर्वत किस आकार का है?
(क) माला के आकार का
(ख) करधनी के आकार का
(ग) त्रिशूल के आकार का
(घ) सूरज के आकार का

(3) पर्वत के चरणों में स्थित ताल की तुलना किससे की है?
(क) सूर्य से
(ख) रेगिस्तान से
(ग) दर्पण से
(घ) समुद्र से

(4) 'दृग–सुमन' में कौन–सा अंलकार है?
(क) रूपक अलंकार
(ख) उपमा अलंकार
(ग) श्लेष अलंकार
(घ) यमक अलंकार

(5) निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए–
(i) पर्वतीय क्षेत्र है और गरमी की ऋतु है।
(ii) प्रकृति पल–पल में अपना रूप बदल रही है।
(iii) पर्वत पर फूल नहीं खिले हैं।
(iv) पर्वत की तलहटी में एक तालाब है।
(v) पर्वतमाला दूर–दूर तक फैली है।
पद्यांश से मेल खाते वाक्यों के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए
(क) (i), (ii) और (iv)
(ख) (ii), (iv) और (v)
(ग) (i), (iv) और (v)
(घ) (ii), (iii) और (iv)

8. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए–** **$(1 \times 2 = 2)$**

(1) कवि मनुष्य का आह्वान करता है–
(क) एक–दूसरे का सहारा लेकर उठने के लिए
(ख) आगे बढ़ने के लिए
(ग) देवों की गोद में आरूढ़ होने के लिए
(घ) उपर्युक्त सभी

(2) "तव मुख पहचानूँ छिन–छिन में" से कवि का क्या भाव है?
(क) दुख के दिनों में पल–पल ईश्वर को याद करता रहूँ।
(ख) विपत्ति आने पर पल–पल ईश्वर का मुँह ताकूँ।
(ग) सुख के दिनों में भी सदा ईश्वर को याद करता रहूँ।
(घ) सुख के दिनों में ईश्वर को भूल जाया करूँ।

9. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–** $(1 \times 5 = 5)$

वह एक छः मंजिला इमारत थी जिसकी छत पर दफ़्ती की दीवारोवाली और तातामी (चटाई) की ज़मीनवाली एक सुंदर पर्णकुटी थी। बाहर बेढ़ब–सा एक मिट्टी का बरतन था। उसमें पानी भरा हुआ था। हमने अपने हाथ पाँव इस पानी से धोए। तौलिए से पोंछे और अंदर आ गए। अंदर 'चाजीन' बैठा था। हमें देखकर वह खड़ा हुआ। कमर झुकाकर उसने हमें प्रणाम किया। दो.....झो.....(आइए, तशरीफ लाइए) कहकर स्वागत किया। बैठने की जगह हमें दिखाई। अँगीठी सुलगाई। उस पर चायदानी रखी। बगल के कमरे में जाकर कुछ बर्तन ले आया। तौलिए से बर्तन साफ किए सभी क्रियाएँ इतनी गरिमापूर्ण ढंग से कीं कि उसकी हर भंगिमा से लगता था मानों जयजयवंती के सुर गूँज रहे हों। वहाँ का वातावरण इतना शांत था कि चायदानी के पानी का खदबदाना भी सुनाई दे रहा था।

(1) इमारत मे मंजिले थी–

(क) पाँच

(ख) छः

(ग) सात

(घ) आठ

(2) पर्णकुटी की दीवारे थी–

(क) ईंटो की

(ख) पत्थर की

(ग) काँच की

(घ) दफ़्ती की

(3) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए उसके बाद दिए गए विकल्पों मे से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए–

**कथन (A)** चायदानी के पानी का खदबदाना सुनाई दे रहा था

**कारण (R)** आस–पास का वातावरण बहुत शांत था।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनो ही गलत है

(ख) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है

(ग) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है

(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनो सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है

(4) चाय बनाने की प्रक्रिया में सम्मिलित नहीं है–

(क) अँगीठी सुलगाना

(ख) अँगीठी पर चायदानी रखना

(ग) तौलिए से बर्तन साफ़ करना

(घ) दूध उबालना

(5) 'चाजीन' ने सभी क्रियाएँ की थी–

(क) गरिमापूर्ण ढंग से

(ख) असभ्यतापूर्वक

(ग) अनमने ढंग से

(घ) जल्दबाजी से

10. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए–** **$(1 \times 2 = 2)$**

(1) निम्नलिखित में से कौन–सा वाक्य कलकत्तावासियों के लिए 26 जनवरी, 1931 के दिन की महत्ता को दर्शाता हैं?

(i) लोगों ने अग्रेंजी सरकार का डटकर विरोध किया

(ii) स्वतंत्रता दिवस सभी स्त्री–पुरूषों ने मिलकर मनाया

(iii) स्वतंत्रता की घोषणा पढ़ डाली

(iv) कलकत्ता के प्रत्येक भाग में झंडे लगाए गए।

(क) केवल (iv)

(ख) (i) और (ii)

(ग) (ii) और (iii)

(घ) (i), (ii) (iii) व (iv)

(2) वजीर अली का मकसद क्या था?

(क) वह अवध को फैलाना चाहता था

(ख) वह अवध को अंग्रेजों से मुक्त कराना चाहता था

(ग) वह अवध को बर्बाद करना चाहता था

(घ) इनमें से कोई नहीं

## खंड ब – (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए–** **$(3 \times 2 = 6)$**

(1) बड़े भाई की स्वभावगत विशेषताएँ बताइए।

(2) लेखक ने ऐसा क्यों लिखा है कि तीसरी कसम ने साहित्य–रचना के साथ शत–प्रतिशत न्याय किया है?

(3) सुलेमान, शेख अयाज के पिता और नूह के स्वभाव की उन विशेषताओं का उल्लेख कीजिए, जो उन्हें आज के मनुष्यों से अलग करती है।

12. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए–** **$(3 \times 2 = 6)$**

(1) संसार में सुखी व्यक्ति कौन है और दु:खी कौन? कबीर की साखी में 'सोना' और 'जगाना' किसके प्रतीक हैं? इनका प्रयोग यहाँ क्यों किया गया हैं? स्पष्ट कीजिए।

(2) मीराबाई ने हीरे से स्वंय का कष्ट दूर करने की जो विनती की हैं, उसमें स्वंय का कौन–सा संबंध बताया हैं? जिन भक्तों के उदाहरण दिए गए हैं, उनमें से एक पर की गई कृष्ण–कृपा को संक्षेप में लिखिए।

(3) 'कर चले हम फिदा' कविता में देशवासियों से क्या अपेक्षाएँ की गई हैं? क्या हम उन अपेक्षाओं को पूरा कर रहे हैं? तर्कसहित उत्तर दीजिए।

13. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए–** **$(3 \times 2 = 6)$**

(1) समाज में रिश्तों की क्या अहमियत है? 'हरिहर काका' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(2) 'सपनों के से दिन' पाठ के आधार पर लिखिए कि बच्चों की रुचि पढ़ाई में क्यों नहीं थी? माँ–बाप को उनकी पढ़ाई व्यर्थ क्यों लगती थी?

(3) 'अम्मी' शब्द पर टोपी के घरवालों की क्या प्रतिक्रिया हुई और क्यों?

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए– **$(5 \times 1 = 5)$**

(1) समय का महत्त्व
- समय का महत्त्व
- समय नियोजन
- समय गवाने की हानियाँ

(2) पर्वों का बदलता स्वरूप
- तात्पर्य
- परंपरागत तरीके
- बाजार का बढ़ता प्रभाव

(3) महानगरीय जीवन
- विकास की अँधी दौड
- संबंधों का ह्रास
- दिखावा

15. (1) रेलयात्रा के दौरान रेल में मिलने वाले भोजन के आपत्तिजनक, न्यून स्तर की शिकायत करते हुए रेलवे पुलिस अधीक्षक को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए। **$(5 \times 1 = 5)$**

**अथवा**

(2) किसी दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को अपने क्षेत्र में चल रही बिजली की कटौती में सुधार के लिए संबंधित अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट करने के लिए लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

16. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर पर लगभग 80 शब्दों में सूचना लिखिए– **$(4 \times 1 = 4)$**

(1) विद्यालय में स्वच्छता अभियान चलाने के लिए योजनाबद्ध कार्यक्रम के निर्धारण हेतु सभी कक्षाओं के प्रतिनिधियों की बैठक के लिए समय, स्थान आदि के विवरण सहित सूचना लगभग 80 शब्दों में तैयार कीजिए।

**अथवा**

(2) बाढ़ पीड़ितों को सहायता देने के लिए प्रधानाचार्य की ओर से सूचना 'लगभग 80 शब्दों में लिखिए।

17. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए– **$(3 \times 1 = 3)$**

(1) नाखूनों की सुंदरता बढ़ाने के लिए नेलपॉलिश का विज्ञापन लगभग 60 शब्दों में तैयार कीजिए।

**अथवा**

(2) आपके विद्यालय में श्रेया घोषाल की गायकी का कार्यक्रम है। इस संदर्भ में किसी प्रतिष्ठित समाचार पत्र में देने योग्य विज्ञापन लगभग 60 शब्दों में तैयार कीजिए।

18. (1) 'बुद्धि ही बल है' विषय पर लघु कथा लगभग 100 शब्दों में लिखिए। **$(5 \times 1 = 5)$**

**अथवा**

(2) अपने क्षेत्र में पार्क का निर्माण करवाने हेतु उद्यान विभाग के सचिव को ई-मेल लिखिए।

□□□□□□□

# प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 8 (सॉल्वड)

## कक्षा–10 परीक्षा 2022–23

## हिन्दी–ब (कोड–085)

निर्धारित समय– 3 घंटे पूर्णांक – 80

सामान्य निर्देश–

1. इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं– खंड 'अ' और 'ब'।
2. खंड 'अ' में उपप्रश्नों सहित 45 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए कुल 40 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
4. निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए।
5. दोनों खंड़ों के कुल 18 प्रश्न हैं। दोनों खंड़ों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
6. यथासभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

---

### खंड अ – (वस्तुपरक प्रश्न)

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इसके आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–** $(1 \times 5 = 5)$

प्रत्येक व्यक्ति का जीवन संघर्षों से भरा होता है। जीवन का कोई भी रास्ता सफल अथवा निर्बाध नहीं होता। कामयाबी के हर रास्ते में कई मुश्किलों का आना तय है। हर बड़ी सफलता के पीछे अनेक छोटी–छोटी असफलताएँ छिपी रहती हैं। किसी बड़े पत्थर के टुकड़े करने के लिए हमें उस पर असंख्य प्रहार करने पड़ते हैं। अंत में एक प्रहार ऐसा होता है कि वह पत्थर को दो टुकड़ों में बाँट देता है। लेकिन क्या अंतिम प्रहार से पहले किए गए सारे प्रहार निरर्थक थे? नहीं। ऊपर से बेशक पहले का हर प्रहार निरर्थक लगता हो, लेकिन हर प्रहार पूरी तरह सार्थक था, क्योंकि उन प्रहारों में ही अंतिम प्रहार की सफलता छिपी हुई थी। हर चोट ने निरंतर उस पत्थर को टूटने के अधिकाधिक निकट ला दिया था। वास्तव में थोड़ी–बहुत असफलताओं के बिना सफलता संभव ही नहीं। व्यक्ति अपनी सफलताओं की बजाय असफलताओं से सीखता है। हर सफलता से उसे पुनर्मूल्यांकन का अवसर मिलता है। हर असफलता से उसे पुर्नूल्यांकन का अवसर मिलता है। सफलता के बाद हम कभी अपना पुनर्मूल्यांकन नहीं करते। समस्या आए बगैर हम रास्ता नहीं खोजते। समस्याएँ ही हमें उपाय खोजने के लिए प्रेरित करती हैं, हमें चिंतनशील बनाती हैं, हम में धैर्य का विकास करती हैं। ठोकर खाने के बाद ही हम अपनी असफलता का कारण जानने का प्रयास करते हैं। उसके बाद ही नए सिरे से आगे बढ़ने के लिए अपनी क्षमता का विकास करते हैं। जीवन की हर असफलता किसी बड़ी सफलता का आधार बनती हैं।

(1) जीवन का कोई भी रास्ता नहीं होता–
   (क) बाधा रहित
   (ख) बाधायुक्त
   (ग) दुखद
   (घ) बहुत लंबा

   **उत्तर :** (क) बाधा रहित

(2) हर बड़ी सफलता के पीछे क्या छिपा रहता हैं–
   (क) धन–दौलत
   (ख) छोटी–छोटी असफलता
   (ग) एक सुनहरा भविष्य
   (घ) एक बड़ा इतिहास

   **उत्तर :** (ख) छोटी–छोटी असफलता

(3) बड़े पत्थर के टुकड़े को तोड़ने में उस पर पड़ने वाले किस प्रहार का अधिक महत्त्व हैं–
   (क) पहले प्रहार का
   (ख) दूसरे प्रहार का
   (ग) प्रत्येक प्रहार का
   (घ) अंतिम प्रहार का

   **उत्तर :** (ग) प्रत्येक प्रहार का

(4) व्यक्ति अपनी सफलताओं की अपेक्षा असफलताओं से अधिक क्यों सीखता हैं–

(क) असफलता उसे बलवान बनाती है

(ख) असफलता उसकी बुद्धि को बढ़ाती है

(ग) असफलता उसे ज्ञानी बनाती है।

(घ) असफलता उसे पुनर्मूल्यांकन का अवसर देती है।

**उत्तर :** (घ) असफलता उसे पुनर्मूल्यांकन का अवसर देती है।

(5) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।

**कथन (A)** : हर बड़ी सफलता के पीछे अनेक छोटी–छोटी असफलताएँ छिपी रहती हैं।

**कारण (R)** : वास्तव में थोड़ी बहुत असफलताओं के बिना सफलता संभव ही नहीं हैं।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत है।

(ख) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

(ग) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

**उत्तर :** (घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

2. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इसके आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–** $(1 \times 5 = 5)$

साहित्य की शाश्वतता का तात्पर्य है– हर काल एवं परिस्थिति में अपनी उपयोगिता बनाए रखना एवं प्रासंगिकता को कम न होने देना। साहित्य की शाश्वतता का प्रश्न एक महत्त्वपूर्ण प्रश्न है। क्या साहित्य शाश्वत होता है? यदि हाँ, तो किस मायने में? क्या कोई साहित्य अपने रचनाकाल के सौ वर्ष बीत जाने पर भी उतना ही प्रासंगिक रहता है, जितना वह अपनी रचना के समय था? अपने समय या युग का निर्माता साहित्यकार क्या सौ वर्ष की परिस्थितियों का भी युग–निर्माता हो सकता है। समय बदलता रहता है, परिथितियाँ और भावबोध बदलते हैं, साहित्य बदलता है और इसी के समानांतर पाठक की मानसिकता और अभिरूचि भी बदलती है। अतः कोई भी कविता अपने सामयिक परिवेश के बदल जाने पर ठीक वही उत्तेजना पैदा नहीं कर सकती, जो उसने अपने रचनाकाल के दौरान की होगी। कहने का तात्पर्य यह है कि एक विशेष प्रकार के साहित्य के श्रेष्ठ अस्तित्व मात्र से वह साहित्य हर युग के लिए उतना ही विशेष आकर्षण रखे, यह आवश्यक नहीं है। यही कारण है कि वर्तमान युग में इंगला–पिंगला, सुषुन्मा, अनहद, नाद आदि पारिभाषिक शब्दावली मन में विशेष भावोत्तेजन नहीं करती। साहित्य की श्रेष्ठता मात्र ही उसके नित्य आकर्षण का आधार नहीं है। उसकी श्रेष्ठता का युगयुगीन आधार हैं, वे जीवन–मूल्य तथा उनकी अत्यंत कलात्मक अभिव्यक्तियों जो मनुष्य की स्वतंत्रता तथा उच्चतर मानव–विकास के लिए पथ–प्रदर्शक का काम करती है। पुराने साहित्य का केवल वहीं श्री–सौंदर्य हमारे लिए ग्राह्य होगा, जो नवीन जीवन–मूल्यों के विकास में सक्रिय सहयोग दे अथवा स्थिति रक्षा में सहायक हो। कुछ लोग साहित्य की सामाजिक प्रतिबद्धता को अस्वीकार करते हैं। वे मानते हैं कि साहित्यकार निरपेक्ष होता है और उस पर कोई भी दबाव आरोपित नहीं होना चाहिए, किंतु वे भूल जाते हैं कि साहित्य के निर्माण की मूल प्रेरणा मानव–जीवन में ही विद्यमान रहती है। जीवन के लिए ही उसकी सृष्टि होती है। तुलसीदास जब स्वांतः सुखाय काव्य–रचना करते हैं, तब अभिप्राय यह नहीं रहता कि मानव–समाज के लिए इस रचना का कोई उपयोग नही हैं, बल्कि उनके अंतः करण में संपूर्ण संसार की सुख भावना एवं हित कामना सन्निहित रहती है, जो साहित्यकार अपने संपूर्ण व्यक्तित्व को व्यापक लोक जीवन में सन्निविष्ट कर देता हैं, उसी के हाथों स्थायी एवं प्रेरणाप्रद साहित्य का सृजन हो सकता है।

(1) साहित्य की श्रेष्ठता का निर्धारण सुनिश्चित करता है

(क) व्यक्ति को बहुमुखी प्रतिभा का धनी बनाना

(ख) लोक व्यवहार की पराकष्ठा पर प्रतिक्रिया देना

(ग) सांस्कृतिक व ऐतिहासिक विरासत को बाधित करना

(घ) पथ–प्रशस्त कर मूल्यों का समावेशन करके कला भाव जगाना

**उत्तर :** (क) व्यक्ति को बहुमुखी प्रतिभा का धनी बनाना

(2) नवीन जीवन–मूल्यों के विकास में सक्रिय सहयोग से आशय है–

(क) स्वांत–सुखाय की कामना कर आगे बढ़ना

(ख) श्री–सौंदर्य को प्राथमिकता देकर आगे बढ़ना

(ग) नवाचार व मूल्यों को आत्मसात कर आगे बढ़ना

(घ) वर्तमान में साहित्य के माध्यम से आगे बढ़ना

**उत्तर :** (ख) श्री–सौंदर्य को प्राथमिकता देकर आगे बढ़ना

(3) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

(i) समय के साथ–साथ साहित्य और पाठकों की मानसिकता और अभिरूचि भी बदलती है।

(ii) साहित्य की श्रेष्ठता मात्र ही उसके आकर्षण का आधार है।

(iii) कुछ लोग साहित्य की सामाजिक प्रतिबद्धता को स्वीकार करते हैं।

उपयुक्त कथनों में से कौन–सा/कौन–से सही हैं/हैं–

(क) केवल (i)

(ख) (i) और (iii)

(ग) (i) और (ii)

(घ) (ii) और (iii)

**उत्तर** : (क) केवल (i)

(4) 'कोई साहित्य अपने रचनाकाल के सौ वर्ष बीत जाने पर भी उतना ही प्रासंगिक रहता है। 'कथन के आधार पर उचित तर्क हैं–

(क) साहित्य की श्रेष्ठता मात्र ही उनके नित्य आकर्षण का आधार नहीं है

(ख) संपूर्ण साहित्य का स्थायी व स्पष्ट आधार नहीं है

(ग) लोक कल्याणकारी, स्थायी एवं प्रेरणाप्रद साहित्य होने की दशा में

(घ) पारिभाषिक शब्दावली द्वारा स्पष्टीकरण करने की दशा में

**उत्तर** : (ग) लोक कल्याणकारी, स्थायी एवं प्रेरणाप्रद साहित्य होने की दशा में

(5) 'साहित्यकार निरपेक्ष होता हैं और उस पर कोई भी दबाव आरोपित नहीं होना चाहिए। 'कथन किस मनोवृत्ति को प्रकट करता है–

(क) सामाजिक कार्यकर्ताओं की विचारधारा

(ख) साहित्य की शाश्वत क्रियाशील विचारधारा

(ग) समाज के प्रति वचनबद्धता का अभाव

(घ) निरपेक्ष व्यक्तियों की सकारात्मकता।

**उत्तर** : (ग) समाज के प्रति वचनबद्धता का अभाव

**3. निर्देशानुसार 'पदबंध' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं <u>चार</u> प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** $(1 \times 4 = 4)$

(1) <u>'थका–हरा' मजदूर</u> लेटते ही सो गया।'– इस वाक्य में रेखांकित पदबंध है–

(क) संज्ञा पदबंध

(ख) सर्वनाम पदबंध

(ग) विशेषण पदबंध

(घ) क्रिया पदबंध

**उत्तर** : (क) संज्ञा पदबंध

(2) 'आप तो बहुत मालदार है।'–इस वाक्य में विशेषण पदबंध है–

(क) आप तो

(ख) बहुत मालदार

(ग) तो बहुत

(घ) मालदार है

**उत्तर** : (ख) बहुत मालदार

(3) क्रिया पदबंध का उदाहरण छाँटिए–

(क) <u>अभागी वह</u> करती भी तो क्या करती?

(ख) <u>घर के चारों</u> ओर पेड़ लगे हैं।

(ग) <u>राम के भाई</u> से चला नहीं जाता।

(घ) मुझे सब <u>सुनाई दे रहा है</u>।

**उत्तर** : (घ) मुझे सब <u>सुनाई दे रहा है</u>।

(4) '<u>लंबी सफेद दाढ़ी वाला एक</u> व्यक्ति आया है।'– इस वाक्य में रेखांकित पदबंध है–

(क) संज्ञा पदबंध

(ख) सर्वनाम पदबंध

(ग) क्रिया पदबंध

(घ) विशेषण पदबंध

**उत्तर** : (घ) विशेषण पदबंध

(5) 'उसने तताँरा को <u>तरह–तरह से</u> अपमानित किया।'– इस वाक्य में रेखांकित पदबंध का प्रकार है–

(क) विशेषण पदबंध (ख) क्रिया विशेषण पदबंध

(ग) सर्वनाम पदबंध (घ) क्रिया पदबंध

**उत्तर** : (ख) क्रिया विशेषण पदबंध

**4. निर्देशानुसार 'रचना' के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं <u>चार</u> प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** $(1 \times 4 = 4)$

(1) 'नूह ने उसकी बात सुनी और दुःखी हो मुद्दत एक रोते रहें। इस वाक्य का सरल वाक्य के रूप में रूपांतरित वाक्य है–

(क) जब नूह ने उसकी बात सुनी तब वे दुःखी हो गए और मुद्दत तक रोते रहे।

(ख) नूह उसकी बात सुनकर दुःखी हो मुद्दत तक रोते रहे।

(ग) नूह ने दुःखी होकर उसकी बात सुनी और मुद्दत तक होते रहे।

(घ) चूँकि नूह ने उसकी बात सुनी इसलिए वे दुःखी हो मुद्दत तक रोते रहे।

**उत्तर** : (ख) नूह उसकी बात सुनकर दुःखी हो मुद्दत तक रोते रहे।

(2) 'जब असफल हो गए तो शोक करना व्यर्थ है।'' इस वाक्य का भेद हैं–

(क) मिश्र वाक्य (ख) प्रधान वाक्य

(ग) सरल वाक्य (घ) संयुक्त वाक्य

**उत्तर :** (क) मिश्र वाक्य

(3) ततँारा को देखकर वामीरो फूट–फूटकर रोने लगी।' इस वाक्य का मिश्र वाक्य में रूपांतरण होगा–

(क) ततँारा को देखा और वामीरो फूट–फूटकर रोने लगी।

(ख) जैसे ही ततँारा को देखा, वीमोरा फूट–फूटकर रोने लगी।

(ग) वीमोरो ने ततँारा को देखा, इसलिए फूट–फूटकर रोने लगी।

(घ) ततँारा को देखते ही वीमारो ने फूट–फूटकर रोना आरंभ कर दिया।

**उत्तर :** (ख) जैसे ही ततँारा को देखा, वीमोरा फूट–फूटकर रोने लगी।

(4) निम्नलिखित वाक्यों में संयुक्त वाक्य है–

(क) संसार में रचना कैसे भी हुई हो लेकिन धरती किसी एक की नहीं है।

(ख) सहसा नारियल के झुरमटों में उसे एक आकृति कुछ साफ हुई।

(ग) बार–बार ततँारा का याचना भरा चेहरा उसकी आँखों में तैर जाता था।

(घ) मेरे जीवन में यह पहली बार है मैं इस तरह से विचलित हुआ हूँ।

**उत्तर :** (क) संसार में रचना कैसे भी हुई हो लेकिन धरती किसी एक की नहीं है।

(5) 'सुधा अधिक बोलती है या राधा।' इस वाक्य का भेद है–

(क) सरल वाक्य

(ख) संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्र वाक्य

(घ) इनमें से कोई नहीं

**उत्तर :** (ख) संयुक्त वाक्य

**5. निर्देशानुसार 'समास' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए– $(1 \times 4 = 4)$**

(1) 'शुभदिन' में कौनसा समास है?

(क) तत्पुरूष समास (ख) कर्मधारय समास

(ग) द्विगु समास (घ) द्वंद्व समास

**उत्तर :** (ख) कर्मधारय समास

(2) 'घुड़साल' का समास विग्रह है–

(क) घोड़े की साल (ख) घोड़ों के लिए शाला

(ग) घोड़ों को शाला (घ) घोड़ों से शाला

**उत्तर :** (ख) घोड़ों के लिए शाला

(3) निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए–

| | समस्तपद | | समास |
|---|---|---|---|
| (i) | वनवास | (i) | बहुव्रीहि समास |
| (ii) | आटा–दाल | (ii) | द्वंद्व समास |
| (iii) | महर्षि | (iii) | कर्मधारय समास |
| (iv) | घनश्याम | (iv) | तत्पुरूष समास |

उपयुक्त युग्मों में से कौन–से सही सुमेलित हैं–

(क) (i) और (iv) (ख) (i) और (iii)

(ग) (ii) और (iii) (घ) (ii) और (iv)

**उत्तर :** (ग) (ii) और (iii)

(4) 'गुरूदक्षिणा 'शब्द के सही समास विग्रह और समास का चयन कीजिए–

(क) गुरू से दक्षिणा – तत्पुरूष समास

(ख) गुरू का दक्षिणा – तत्पुरूष समास

(ग) गुरू की दक्षिणा – तत्पुरूष समास

(घ) गुरू के लिए दक्षिणा – तत्पुरूष समास

**उत्तर :** (घ) गुरू के लिए दक्षिणा – तत्पुरूष समास

(5) 'अष्टाध्यायी 'शब्द के लिए सही समास विग्रह और समास का चयन कीजिए–

(क) आठ अध्यायों का समाहार – द्विगु समास

(ख) आठ हैं जो अध्याय – बहुव्रीहि समास

(ग) अष्ट और अध्याय – द्वंद्व समास

(घ) अष्ट के अध्याय – तत्पुरूष समास

**उत्तर :** (क) आठ अध्यायों का समाहार – द्विगु समास

**6. निर्देशानुसार 'मुहावरे' पर आधारित छह बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए– $(1 \times 4 = 4)$**

(1) मुहावरे और अर्थ के उचित मेल वाले विकल्प का चयन कीजिए–

(क) घुड़कियाँ खाना – साहस प्राप्त होना

(ख) तलवार खींचना – सब कुछ नष्ट करना

(ग) पन्ने रँगना – व्यर्थ में लिखना

(घ) आग– बूबला होना – अपने वश में रहना

**उत्तर :** (ग) पन्ने रँगना – व्यर्थ में लिखना

(2) 'होश में न रहना' अर्थ के लिए उचित मुहावरा है–

(क) आँख लगना (ख) साँप सूँघना

(ग) आपे से बाहर होना (घ) सुध–बुध खोना

**उत्तर :** (घ) सुध–बुध खोना

(3) सड़क पर गाड़ी तेज चलाने का मतलब है ............. कब दुर्घटना हो जाए भरोसा नहीं। रिक्त स्थान के लिए उचित मुहावरा चुनिए

(क) घड़ों पानी पड़ना

(ख) सिर पर तलवार लटकना

(ग) आकाश से तारे तोड़ना

(घ) तीन–तेरह होना

**उत्तर :** (ख) सिर पर तलवार लटकना

(4) परीक्षा के दिनों में छात्र पढ़ते–पढ़ते .........। उपयुक्त विकल्प से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए

(क) आड़े हाथों लेते हैं

(ख) आँखें फोड़ लेते हैं

(ग) आँखों में धूल झोंकते हैं

(घ) दाँतों तले उँगली दबा लेते हैं

**उत्तर :** (ख) आँखें फोड़ना

(5) रेखांकित अंश के लिए कौन–सा मुहावरा प्रयुक्त करना उचित रहेगा–

जबसे रमेश ने नौकरी छोड़ व्यापार शुरू किया है वह तो <u>बहुत अधिक परिश्रमी</u> बन गया है।

(क) कोल्हू का बैल (ख) ठन–ठन गोपाल

(ग) अड़ियल टट्टू (घ) गोबर गणेश

**उत्तर :** (क) कोल्हू का बैल

(6) 'स्वार्थ सिद्ध करना' अर्थ के लिए उपयुक्त मुहावरा है–

(क) अपना राग अलापना (ख) आँखे चुराना

(ग) पीठ दिखाना (घ) अपना उल्लू सीधा करना।

**उत्तर :** (घ) अपना उल्लू सीधा करना।

**7. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए– $(1 \times 5 = 5)$**

पावस ऋतु थी, पर्वत प्रदेश,
अवलोक रहा है बार–बार
पल–पल परिवर्तित प्रकृति–वेश।
नीचे जल में निज महाकार,
मेखलाकार पर्वत अपार
जिसके चरणों में पला ताल
अपने सहस्त्र दृग–सुमन फाड़,
दर्पण–सा फैला है विशाल है!

(1) पद्यांश में किस ऋतु का वर्णन किया गया है?

(क) शरद ऋतु का (ख) ग्रीष्म ऋतु का

(ग) वर्षा ऋतु का (घ) वसंत ऋतु का

**उत्तर :** (ग) वर्षा ऋतु का

(2) पर्वत किस आकार का है?

(क) माला के आकार का (ख) करधनी के आकार का

(ग) त्रिशूल के आकार का (घ) सूरज के आकार का

**उत्तर :** (ख) करधनी के आकार का

(3) पर्वत के चरणों में स्थित ताल की तुलना किससे की है?

(क) सूर्य से (ख) रेगिस्तान से

(ग) दर्पण से (घ) समुद्र से

**उत्तर :** (ग) दर्पण से

(4) 'दृग–सुमन' में कौन–सा अंलकार है?

(क) रूपक अलंकार (ख) उपमा अलंकार

(ग) श्लेष अलंकार (घ) यमक अलंकार

**उत्तर :** (क) रूपक अलंकार

(5) निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए–

(i) पर्वतीय क्षेत्र है और गरमी की ऋतु है।

(ii) प्रकृति पल–पल में अपना रूप बदल रही है।

(iii) पर्वत पर फूल नहीं खिले हैं।

(iv) पर्वत की तलहटी में एक तालाब है।

(v) पर्वतमाला दूर–दूर तक फैली है।

पद्यांश से मेल खाते वाक्यों के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए

(क) (i), (ii) और (iv) (ख) (ii), (iv) और (v)

(ग) (i), (iv) और (v) (घ) (ii), (iii) और (iv)

**उत्तर :** (ख) (ii), (iv) और (v)

**8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए– $(1 \times 2 = 2)$**

(1) कवि मनुष्य का आहवान करता है–

(क) एक–दूसरे का सहारा लेकर उठने के लिए

(ख) आगे बढ़ने के लिए

(ग) देवों की गोद में आरूढ़ होने के लिए

(घ) उपर्युक्त सभी

**उत्तर :** (घ) उपर्युक्त सभी

(2) "तव मुख पहचानूँ छिन–छिन में" से कवि का क्या भाव है?

(क) दुख के दिनों में पल–पल ईश्वर को याद करता रहूँ।

(ख) विपत्ति आने पर पल–पल ईश्वर का मुँह ताकूँ।

(ग) सुख के दिनों में भी सदा ईश्वर को याद करता रहूँ।

(घ) सुख के दिनों में ईश्वर को भूल जाया करूँ।

**उत्तर :** (ग) सुख के दिनों में भी सदा ईश्वर को याद करता रहूँ।

**9. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–** $(1 \times 5 = 5)$

वह एक छः मंजिला इमारत थी जिसकी छत पर दफ़्ती की दीवारोवाली और तातामी (चटाई) की ज़मीनवाली एक सुंदर पर्णकुटी थी। बाहर बेढ़ब–सा एक मिट्टी का बरतन था। उसमें पानी भरा हुआ था। हमने अपने हाथ पाँव इस पानी से धोए। तौलिए से पोंछे और अंदर आ गए। अंदर 'चाजीन' बैठा था। हमें देखकर वह खड़ा हुआ। कमर झुकाकर उसने हमें प्रणाम किया। दो.....झो.....(आइए, तशरीफ लाइए) कहकर स्वागत किया। बैठने की जगह हमें दिखाई। अँगीठी सुलगाई। उस पर चायदानी रखी। बगल के कमरे में जाकर कुछ बर्तन ले आया। तौलिए से बर्तन साफ किए सभी क्रियाएँ इतनी गरिमापूर्ण ढंग से कीं कि उसकी हर भंगिमा से लगता था मानों जयजयवंती के सुर गूँज रहे हों। वहाँ का वातावरण इतना शांत था कि चायदानी के पानी का खदबदाना भी सुनाई दे रहा था।

(1) इमारत मे मंजिले थी–

(क) पाँच (ख) छः

(ग) सात (घ) आठ

**उत्तर :** (ख) छः

(2) पर्णकुटी की दीवारे थी–

(क) ईंटो की (ख) पत्थर की

(ग) काँच की (घ) दफ़्ती की

**उत्तर :** (घ) दफ़्ती की

(3) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए उसके बाद दिए गए विकल्पों मे से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए–

**कथन (A)** चायदानी के पानी का खदबदाना सुनाई दे रहा था

**कारण (R)** आस–पास का वातावरण बहुत शांत था।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनो ही गलत है

(ख) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है

(ग) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है

(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनो सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है

**उत्तर :** (घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनो सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है

(4) चाय बनाने की प्रक्रिया में सम्मिलित नहीं है–

(क) अँगीठी सुलगाना

(ख) अँगीठी पर चायदानी रखना

(ग) तौलिए से बर्तन साफ़ करना

(घ) दूध उबालना

**उत्तर :** (घ) दूध उबालना

(5) 'चाजीन' ने सभी क्रियाएँ की थी–

(क) गरिमापूर्ण ढंग से

(ख) असभ्यतापूर्वक

(ग) अनमने ढंग से

(घ) जल्दबाजी से

**उत्तर :** (क) गरिमापूर्ण ढंग से

**10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए–** $(1 \times 2 = 2)$

(1) निम्नलिखित में से कौन–सा वाक्य कलकत्तावासियों के लिए 26 जनवरी, 1931 के दिन की महत्ता को दर्शाता हैं?

(i) लोगों ने अग्रेंजी सरकार का डटकर विरोध किया

(ii) स्वतंत्रता दिवस सभी स्त्री–पुरूषों ने मिलकर मनाया

(iii) स्वतंत्रता की घोषणा पढ़ डाली

(iv) कलकत्ता के प्रत्येक भाग में झंडे लगाए गए।

(क) केवल (iv) (ख) (i) और (ii)

(ग) (ii) और (iii) (घ) (i), (ii) (iii) व (iv)

**उत्तर :** (ग) (ii) और (iii)

(2) वजीर अली का मकसद क्या था?

(क) वह अवध को फैलाना चाहता था

(ख) वह अवध को अंग्रेजों से मुक्त कराना चाहता था

(ग) वह अवध को बर्बाद करना चाहता था

(घ) इनमें से कोई नहीं

**उत्तर :** (ख) वह अवध को अंग्रेजों से मुक्त कराना चाहता था

## खंड ब – (वर्णनात्मक प्रश्न)

**11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए–** **$(3 \times 2 = 6)$**

(1) बड़े भाई की स्वभावगत विशेषताएँ बताइए।

**उत्तर :**

बड़े भाई साहब की स्वभावगत विशेषताएँ निम्नलिखित हैं–

(i) **बड़प्पन पर गर्व–** बड़े भाई साहब को अपने बड़प्पन का गर्व था, जिसका अहसास वे अपने छोटे भाई को कराते रहते थे।

(ii) **अध्ययनशील–** वे बहुत अध्ययनशील थे, दिन–रात पढ़ते रहते थे।

(iii) **कुशल उपदेशक–** उपदेश देने में बहुत कुशल थे। वे अपनी बातों को उदाहरण और तर्क देकर समझाते थे।

(iv) **भाई के हित के लिए स्वयं की इच्छाओं का दमन–** वे छोटे भाई के हितैषी थे। उसके हित के लिए अपनी इच्छाओं का दमन कर लेते थे।

(v) **लोक–व्यवहार के ज्ञाता–** बालक होते हुए भी बड़ों जैसा अनुभव और लोक–व्यवहार रखते थे।

(vi) **सामान्य बुद्धि–** वे अधिक प्रतिभावान् नहीं थे, इसलिए एक कक्षा में दो–दो बार फेल हो जाते थे।

(2) लेखक ने ऐसा क्यों लिखा है कि तीसरी कसम ने साहित्य–रचना के साथ शत–प्रतिशत न्याय किया है?

**उत्तर :**

साहित्यिक रचनाओं पर बनी फिल्मों में अधिकांश फिल्म निर्माता अपनी इच्छा से परिवर्तन कर लेते हैं, ताकि फिल्म अच्छा लाभ कमा सके। तीसरी कसम फिल्म फणीश्वरनाथ रेणु की पुस्तक मारे गए गुलफाम पर आधारित है। शैलेंद्र ने पात्रों के व्यक्तित्व, प्रसंग, घटनाओं में कहीं कोई परिवर्तन नहीं किया है। कहानी में दी गई छोटी–छोटी बारीकियाँ, छोटी–छोटी बातें फिल्म में पूरी तरह दिखाई गई हैं। शैलेन्द्र ने पैसा कमाने के लिए फिल्म नहीं बनाई थी। उनका उद्देश्य एक सुंदर फिल्म बनाना था। उन्होंने मूल कहानी को यथारूप में प्रस्तुत किया है। उनके योगदान तथा कड़ी मेहनत से एक सुंदर फिल्म 'तीसरी कसम' के रूप में हमारे समक्ष आई है। लेखक ने इसलिए कहा है कि 'तीसरी कसम' ने साहित्य–रचना के साथ शत–प्रतिशत न्याय किया है।

(3) सुलेमान, शेख अयाज के पिता और नूह के स्वभाव की उन विशेषताओं का उल्लेख कीजिए, जो उन्हें आज के मनुष्यों से अलग करती है।

**उत्तर :**

(i) सुलेमान मनुष्यों के ही नहीं, बल्कि पशु–पक्षियों के भी राजा थे। वे चींटी जैसे छोटे–से जीव की सुरक्षा का भी ध्यान रखते थे। इसीलिए हर जीव ईश्वर से उनके लिए दुआ करता था। वे एक सहृदय बादशाह है।

(ii) शेख अयाज के पिता एक संवेदनशील व्यक्ति थे। उनके हृदय में छोटे–छोटे कीटों के प्रति भी संवेदना थी। अपने घर से बेघर हुए एक च्योंटे को उसके घर पहुँचाने के लिए उन्होंने अपना भोजन भी त्याग दिया था।

(iii) नूह एक बहुत ही करूण पैगंबर थे। उन्होंने एक घायल कुत्ते को दुत्कार दिया था। जब कुत्ते ने कहा– न मैं अपनी मर्जी से कुत्ता हूँ, न तुम अपनी मर्जी से इनसान। इस वाक्य को सुनकर नूह ने कुत्ते की पीडा को महसूस किया। उनका हृदय करूणा से भर उठा और वे पश्चाताप में जीवनभर रोते रहे। आज के मनुष्यों में प्राणियों के प्रति ऐसी संवेदना नहीं है। वे स्वार्थ के वशीभूत अन्य जीवों से उनका ठौर–ठिकाना, भोजन और जीवन छीन रहे हैं।

**12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए–** **$(3 \times 2 = 6)$**

(1) संसार में सुखी व्यक्ति कौन है और दुःखी कौन? कबीर की साखी में 'सोना' और 'जगाना' किसके प्रतीक हैं? इनका प्रयोग यहाँ क्यों किया गया हैं? स्पष्ट कीजिए।

**उत्तर :**

कबीर के अनुसार संसार की दृष्टि में वह व्यक्ति सुखी है, जो भरपेट खाता–पीता है और सो जाता है। ईश्वर–साधना के कठिन मार्ग पर चलने वाला भक्त दुःखी है, जो ईश्वर–मिलन के लिए जागता है और उसके वियोग में आँसू बहाता है। यहाँ 'सोना' ईश्वर के प्रति उदासीनता का और 'जागना' ईश्वर–प्राप्ति के लिए प्रयास करने का प्रतीक है। इन शब्दों का प्रयोग यह बताने के लिए किया गया है कि संसारीजन हीरे जैसे अनमोल मानव–जीवन को पशुओं की तरह खाकर और सोकर गँवा देते हैं, जबकि साधकजन इसे ईश्वर की साधना में लगाते हैं और आत्मोत्थान कर लेते हैं।

(2) मीराबाई ने हीरे से स्वंय का कष्ट दूर करने की जो विनती की हैं, उसमें स्वंय का कौन–सा संबंध बताया हैं? जिन भक्तों के उदाहरण दिए गए हैं, उनमें से एक पर की गई कृष्ण–कृपा को संक्षेप में लिखिए।

**उत्तर :**

मीराबाई ने श्रीकृष्ण को उनके भक्तवत्सल स्वभाव का स्मरण कराते हुए स्वंय के कष्ट दूर करने की प्रार्थना की है। इसके लिए उन्होंने द्रौपदी, प्रहलाद और गजराज के उदाहरण दिए हैं। उन्होंने स्वंय को श्रीकृष्ण की दासी बताया है।

**द्रौपदी की रक्षा का उदाहरण–** द्यूत क्रीडा में युधिष्ठिर दुर्योधन से सबकुछ हार गए। उन्होंने इस क्रीडा में अपनी पत्नी द्रौपदी को भी दाँव पर लगा दिया और उसे भी हार गए। दुर्योधन ने पांडवों को अपमानित करने के लिए द्रौपदी को भरी सभा में बुलवाया और दुःशासन को उसके चीर–हरण का आदेश दिया। द्रौपदी ने अपनी लाज की रक्षा के लिए श्रीकृष्ण का स्मरण किया। श्रीकृष्ण ने द्रौपदी का चीर इतना बढ़ाया कि दुःशासन चीर–हरण नहीं कर सका। इस प्रकार भगवान ने द्रौपदी की लाज बचाई।

(3) 'कर चले हम फिदा' कविता में देशवासियों से क्या अपेक्षाएँ की गई हैं? क्या हम उन अपेक्षाओं को पूरा कर रहे हैं? तर्कसहित उत्तर दीजिए।

**उत्तर :**

कविता में देशवासियों से अपेक्षाएँ की गई है कि जिस देश की आजादी और सम्मान के लिए हमारे सैनिक अपने प्राण न्योछावर कर रहे हैं, उनके बाद देशवासी उसे सँभालकर रखें। देश के सभी नागरिक देश की सुरक्षा, पवित्रता और विकास के लिए अपनी जवानी का सदुपयोग करें। देश के सभी नागरिक बलिदान की परंपरा को बनाए रखें तथा अपनी कुरबानी से ऐसा उदाहरण प्रस्तुत करें कि कोई दुश्मन देश की तरफ आँख उठाकर न देखे। हम सब नागरिक इन अपेक्षाओं को पूरा कर रहे हैं। हम देश की सीमा पर डटे सैनिकों के साथ तन–मन–धन से तैयार खड़े रहते है। हमारे युवा देश के विकास में पूरे मनोयोग से लगे हैं, वे संसार में देश का नाम रोशन कर रहे हैं। हमारे देश ने जितने भी युद्ध लड़े, उनमें नागरिकों ने रक्तदान किया तथा तन–मन–धन से सैनिकों की सहायता की और इसी सहयोग से हमारे सैनिकों ने दुश्मन को हर बार धूल चटाई। कुछ दिग्भ्रमित लोग जरूर देश को हानि पहुँचाने का प्रयास यदा–कदा करते हैं, लेकिन हम उन्हें उसमें सफल नहीं होने देंगे।

**13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए–** $(3 \times 2 = 6)$

(1) समाज में रिश्तों की क्या अहमियत है? 'हरिहर काका' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

**उत्तर :**

समाज में रिश्तों की अहमियत तो बहुत है क्योंकि सब लोग आपसी दुख–दर्द में शामिल हो जाते हैं। किसी भी बात का अभाव या चिंता नहीं रहती है। रिश्ते चाहें सगे हों या दूर के, इसीलिए रिश्ते बनाए जाते हैं। यह सिलसिला सदियों से चला आ रहा है। मगर इन सभी रिश्तों का आधार धन और ज़मीन–जायदाद है। यह माया जब तक हमारे पास हैं, तभी तक सभी हमारी आव–भागत, खैर–ख़बर रखते हैं। धन के न होने पर कोई भी हमारी खैर–ख़बर के लिए हमारे पास नहीं आता है। चाहें वह हमारे सगे खून के रिश्तें में बेटा ही क्यों न हो। इसीलिए तो कहा गया है कि 'बाप बड़ा न भइया, सबसे बड़ा रुपया।'

(2) 'सपनों के से दिन' पाठ के आधार पर लिखिए कि बच्चों की रुचि पढ़ाई में क्यों नहीं थी? माँ–बाप को उनकी पढ़ाई व्यर्थ क्यों लगती थी?

**उत्तर :**

'सपनों के से दिन' पाठ के आधार पर बच्चों की रुचि पढ़ाई–लिखाई में इसलिए नहीं थी क्योंकि विद्यालय में उन्हें बुरी तरह दंडित किया जाता था। ज़रा–सी गलती होने पर उनकी चमड़ी उधेड़ दी जाती थी तथा उन्हें नई कक्षा में जाने पर भी पुरानी पुस्तकें व कॉपियाँ दी जाती थीं, जिनसे आती गंध नई कक्षा की सारी उमंग दूर कर देती थी। माँ–बाप पढ़ाई के प्रति जागरूक नहीं थे और सोचते थे कि वे छह महीने में पंडित घनश्याम दास से बच्चे को दुकान का हिसाब रखने की लिपि सिखवा देंगे, इसी कारण उन्हें बच्चों की पढ़ाई व्यर्थ लगती थी।

(3) 'अम्मी' शब्द पर टोपी के घरवालों की क्या प्रतिक्रिया हुई और क्यों?

**उत्तर :**

'अम्मी' शब्द के प्रयोग पर टोपी के घरवालों की बड़ी ही कट्टरवादी प्रतिक्रिया हुई। सभी भोजन करना छोड़कर टोपी की ओर देखने लगे। उसकी परंपरावादी, कट्टर दादी ने इस घर की परंपराओं और संस्कारों का अपमान माना और वे खाने की मेज़ से उठकरक चली गई तथा जब टोपी की माँ रामदुलारी को यह पता चला कि टोपी ने किसी मुसलमान लड़के से दोस्ती कर ली है, तो उसने टोपी की बहुत बुरी तरह पिटाई की। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि टोपी का परिवार बहुत ही कट्टरवादी ब्राह्मण परिवार था और उनके अंदर धार्मिक कट्टरता कूट–कूट कर भरी थी।

**14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संकेत–बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए–** $(5 \times 1 = 5)$

**(1) समय का महत्त्व**
- समय का महत्त्व
- समय नियोजन
- समय गवाने की हानियाँ

**(2) पर्वो का बदलता स्वरूप**
- तात्पर्य
- परंपरागत तरीके
- बाजार का बढ़ता प्रभाव

**(3) महानगरीय जीवन**
- विकास की अँधी दौड
- संबंधों का ह्रास
- दिखावा

**उत्तर :**

(1) **समय का महत्त्व**

हमारा जीवन अनमोल है, जिसमें हर एक क्षण का महत्त्व है। हमारे जीवन में सबसे मूल्यवान वस्तु होती है समय क्योंकि जो समय बीत जाता है उसे वापस प्राप्त नहीं किया जा सकता। एक सूक्ति है – 'समय और सूक्ति किसी की प्रतीक्षा नहीं करते हैं।' ये आते है और जाते रहते हैं, चाहे कोई इनका लाभ उठाए या नहीं, पर गुणवान लोग समय की महत्ता समझकर समय का लाभ उठाते हैं। एक चतुर मछुआरा अपने जाल और नाव के साथ ज्वार की प्रतीक्षा करता है और उसका लाभ उठाता है। जो लोग समय पर काम नहीं करते हैं उनके हाथ पछताने के सिवा कुछ भी नहीं लगता है। समय बीतने पर काम करने से उसकी सफलता का आनंद सूख जाता है। ऐसे ही लोगों के लिए गोस्वामी तुलसीदास ने कहा है 'समय चूकि वा पुनि पछताने। का बरखा जब कृषि सुखाने।' अर्थात् समय पर काम करने से चूक कर पछताना उसी तरह है जैसा कि फसल सूखने के बाद वर्षा होने से वह हरी नहीं हो पाती है। जो व्यक्ति समय का सदुपयोग करते हैं वे हर काम में सफल होते हैं। शत्रु आक्रमण का जो देश मुकाबला नहीं करता वह गुलाम होकर रह जाता है, समय पर बीज न बोने वाले किसान की फसल अच्छी नहीं होती है और समय पर वर्षा न होने से भयानक अकाल पड़ जाता है। इस तरह निस्संदेह समय का उपयोग सफलता का सोपान है। समय पर काम करने के लिए आवश्यक है – आलस्य का त्याग करना। आलस्य भाव बनाए रखकर समय पर काम पूरा करना कठिन है। अतः हमें आलस्य भाव त्यागकर समय का सदुपयोग करना चाहिए।

(2) **पर्वों का बदलता स्वरूप**

भारत अनेकानेक रंग–बिरंगे त्योहारों से परिपूर्ण देश है। आज आधुनिक होने के साथ ही हमारे पर्वों का स्वरूप भी तेजी से बदल रहा है। बदलाव की आँधी ने परंपरागत उत्साह को तहस–नहस कर बस सिर्फ दिखावे की विनाशकारी प्रवृत्ति को जन्म दे दिया है। परंपरागत तरीके से मनाये जाने वाले त्योहारों का उल्लास ही कुछ और होता था। पर्व के आगमन की तैयारियाँ महीनों पहले से शुरू हो जाती थी। होली हो या दीपावली महिलाएँ घर को सजाने–सँवारने में लग जाती थी। पकवानों की खुशबू तो पूरे वातावरण को सुगंधित कर देती थी। खेलते हुए बच्चों की आवाजों से वातावरण आनंदित हो जाता था। परन्तु आज जीने का तरीका बदल गया है। पर्वों के उल्लास पर बाजार पूरी तरह हावी हो गया है। आज त्योहार के अवसर पर बाजार पूरी ताम–झाम और मँहगी आधुनिक चीजों से भर जाता है। लोग भी उन्हीं दिखावटी चीजों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। इस कारण पर्वों से जुड़ी पारंपरिक चीजें धीरे–धीरे गायब होती जा रही है। खुशियों और उल्लास का पर्व मात्र दिखावे और फिजूलखर्ची का पर्व बनकर रह गया है। विज्ञापनों ने इस आग में घी का काम किया है। जिस तरह से हमारी परंपरागत आस्थाएँ और पर्वों का स्वाभाविक स्वरूप बदलता जा रहा है, दिखावे की आत्मघाती प्रवृत्ति विकसित हो गई है। इससे पर्वों का मूल उद्देश्य ही खत्म होता जा रहा है। पर्वों का स्वाभाविक उल्लास और उत्साह बना रहे इसके लिए हम अब भी सजग हो सकते हैं।

(3) **महानगरीय जीवन**

महानगरीय जीवन गतिशील और भौतिक सुख–सुविधाओं से भरपूर होता है। यहाँ पर रोजगार के विभिन्न अवसर, बेहतर शिक्षा और चिकित्सा की आस में और बिजली पानी की अबाध पूर्ति के कारण दिनों दिन आबादी का विस्तार होता ही जा रहा है। महानगरीय जीवन शैली प्रतिस्पर्धा से भरपूर होने के कारण तनाव, अनिद्रा और निराशा साथ लेकर आती है। जनसंख्या का घनत्व बढ़ने के कारण संसाधन सीमित होते जा रहे हैं। यहाँ के जीवन में निहित विषमताएँ लोगों को अभिशप्त जीवन जीने को मजबूर करती है। आज महानगरों में मानवीय संबंधों का निरंतर ह्रास हो रहा है। लोगों में प्रेम, भाईचारा, सद्भाव, सहानुभूति, दया, ममता आदि भाव लुप्त होने के कारण वे वर्षों तक अपने पडोसियों से बिना परिचय के ही काम चला लेते हैं। हर कोई अपने में व्यस्त है। किसी के पास किसी के लिए समय नहीं है। 'वसुधैव कुटुंबकम्' की भारतीय संस्कृति को हम भूल चुके हैं और महानगर की भागदौड़ भरी जिंदगी ने हमें दिखावा करने को मजबूर कर दिया है। यही कारण है कि हम असंवेदनशील होते जा रहे हैं। आर्थिक और सामाजिक असुरक्षा का बोध उन पर इतना हावी होता है कि वे बिल्कुल हिंसक प्रवृत्ति के हो जाते हैं। महानगरीय जीवन में व्याप्त असुरक्षा से मानवीय मूल्यों का ह्रास होता जा रहा है। आज के परिप्रेक्ष्य में महानगरों की रूप–रेखा भी बदलने वाली है इसलिए अब उन्हें अधिक स्मार्ट और स्वस्थ होने की जरूरत है।

15. **(1) रेलयात्रा के दौरान रेल में मिलने वाले भोजन के आपत्तिजनक, न्यून स्तर की शिकायत करते हुए रेलवे पुलिस अधीक्षक को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।** $(5 \times 1 = 5)$

**उत्तर :**

सेवा में,

रेल विभाग अधिकारी,

जयपुर।

दिनांक : 31 अगस्त, 20xx

**विषय :** रेलगाड़ी में मिलने वाले खाद्य पदार्थों का न्यून स्तर।

आदरणीय महोदय,

मैं शास्त्री नगर, जयपुर की निवासी हूँ और रेलगाड़ी से दिल्ली, आगरा, हरिद्वार आदि स्थानों पर मेरा आना–जाना लगा रहता है। अपने अनुभवों के आधार पर मैं आपको रेलगाड़ी में मिलने वाले खाद्य पदार्थों की खराब गुणवत्ता की सूचना देना चाहती हूँ।

रेलगाड़ी का सफर महँगा हो गया है किन्तु गुणवत्ता गिरती जा रही है। टिकिट में ही भोजन का शुल्क ले लिया जाता है, किन्तु ट्रेन में मिलने वाला भोजन खाने योग्य ही नहीं होता। अनेक बार शिकायत करने का भी कोई लाभ नहीं हुआ। मैंने स्वयं ट्रेन की रसोई में जाकर देखा, तो दंग रह गई। सभी खाद्य पदार्थ खुले पड़े थे, मक्खियाँ भिनभिना रही थीं, सफाई का नामो–निशान नहीं था। बाकी का हाल यदि आप अपनी आँखों से देखेंगे तो बेहतर होगा।

मुझे आशा है कि आप इस शिकायत को गम्भीरता से लेते हुए जल्द ही उचित कदम उठायेंगे।

सधन्यवाद।

भवदीया,

सुमन

**अथवा**

**(2) किसी दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को अपने क्षेत्र में चल रही बिजली की कटौती में सुधार के लिए संबंधित अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट करने के लिए लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।**

**उत्तर :**

सेवा में,

संपादक,

नवभारत टाइम्स,

बहादुरशाह जफर रोड,

नई दिल्ली

दिनांक : 04 मार्च, 20xx

**विषय** : बिजली की कटौती रोकने के लिए संबंधित विभाग का ध्यान आकृष्ट कराने हेतु।

महोदय,

मैं आपके लोकप्रिय दैनिक समाचार–पत्र के माध्यम से विद्युत विभाग के अधिकारियों का ध्यान अपने क्षेत्र की बिजली कटौती की ओर दिलाना चाहता हूँ।

मैं पहाड़गंज क्षेत्र का निवासी हूँ। दिल्ली का अत्यधिक पुराना क्षेत्र होने के कारण यहाँ मकान बहुत पास–पास तथा सँकरी गलियों में बने हैं, जहाँ सूर्य की रोशनी पर्याप्त मात्रा में नहीं पहुँच पाती। उस पर पिछले बीस दिनों से क्षेत्र में बिजली की अनियमित कटौती की जा रही है। बोर्ड की परीक्षाएँ नजदीक हैं। अतः हम विद्यार्थियों को अत्यंत संकट का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र के बिजली कर्मचारियों ने हमारी समस्या को न समझकर सप्लाई की गड़बड़ी बताकर हमें टाल दिया। इतने दिन से चली आ रही यह समस्या हमारे भविष्य के लिए भयानक बाधा बनती जा रही है।

आशा है आप मेरा पत्र '**जनमंच**' कॉलम में प्रकाशित कर बिजली अधिकारियों का ध्यान इस समस्या पर आकृष्ट करेंगे तथा बिजली की कटौती को रोकने में सहयोग कर हमें उपकृत करेंगे।

सधन्यवाद।

भवदीय

राहुल

(पहाड़गंज क्षेत्र का एक विद्यार्थी)

**16. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर पर लगभग 80 शब्दों में सूचना लिखिए–** **$(4 \times 1 = 4)$**

(1) विद्यालय में स्वच्छता अभियान चलाने के लिए योजनाबद्ध कार्यक्रम के निर्धारण हेतु सभी कक्षाओं के प्रतिनिधियों की बैठक के लिए समय, स्थान आदि के विवरण सहित सूचना लगभग 80 शब्दों में तैयार कीजिए।

**उत्तर :**

**आदर्श विद्या मन्दिर, नई दिल्ली**

**सूचना**

दिनांक : 16 अगस्त, 20xx

**स्वच्छता अभियान के संबंध में प्रतिनिधियों की बैठक**

आदर्श विद्या मन्दिर, साकेत विहार, नई दिल्ली के सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि विद्यालय में स्वच्छता अभियान के संचालन के लिए योजनाबद्ध कार्यक्रम के निर्धारण का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में सभी कक्षाओं के प्रतिनिधियों की एक बैठक दिनांक 30 अगस्त, 20xx को सायं 4.00 बजे विद्यालय के स्वागत कक्ष में आयोजित की गई है। सभी कक्षाओं के प्रतिनिधि निर्धारित समय पर इस बैठक में अपनी–अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें।

हस्ताक्षर

स्वच्छता प्रभारी

**अथवा**

(2) बाढ़ पीड़ितों को सहायता देने के लिए प्रधानाचार्य की ओर से सूचना 'लगभग 80 शब्दों में लिखिए।

उत्तर :

**डी.एन.सी. पब्लिक स्कूल**

**भरतपुर, (राजस्थान)**

**सूचना**

दिनांक : 10 अगस्त, 20xx

**बाढ़ पीड़ितों की सहायतार्थ सहयोग**

जैसा कि आप सभी को विदित है कि पिछले दिनों पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार में बाढ़ आई, जिसने भारी तबाही मचाई। इन क्षेत्रों में अनेक लोग बाढ़ के कारण बेघर हो गए है। इन पीड़ितों के पुनर्वास हेतु विद्यालय राहत सामग्री और सहयोग राशि भेज रहा है। इच्छुक शिक्षक, शिक्षणेतर कर्मचारी एवं छात्र दिनांक 14.08.20xx सायं। 4:00 बजे तक उपप्रधानाचार्या डॉ. सीमा सिंह को सहयोग सामग्री एवं धनराशि सौंप कर रसीद प्राप्त कर लें।

हस्ताक्षर
केसर शर्मा
प्रधानाचार्य

**17.** निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए– **(3 × 1 = 3)**

(1) नाखूनों की सुंदरता बढ़ाने के लिए नेलपॉलिश का विज्ञापन लगभग 60 शब्दों में तैयार कीजिए।

उत्तर :

*नाखूनों की शान बढ़ाती*
*सुंदरता में चार चाँद लगाती*
*सबके मन को है लुभाती*

**आकर्षक रंगों में उपलब्ध**

**शाईना नेलपॉलिश**

| कीमत सिर्फ 50 रूपये | सस्ती, सुंदर और टिकाऊ |
|---|---|

*सभी प्रमुख फैन्सी स्टोर्स तथा कॉस्मेटिक्स की दुकानों पर उपलब्ध*

**अथवा**

(2) आपके विद्यालय में श्रेया घोषाल की गायकी का कार्यक्रम है। इस संदर्भ में किसी प्रतिष्ठित समाचार पत्र में देने योग्य विज्ञापन लगभग 60 शब्दों में तैयार कीजिए।

उत्तर :

***महानगर में पहली बार सुविख्यात सिने गायिका श्रेया घोषाल के सदाबहार गीतों की रंगारंग प्रस्तुति***

*एक शाम–श्रेया के नाम*

संगीत संध्या का आनंद उठाने हेतु आप सादर आमंत्रित हैं।

**कार्यक्रम–स्थल**

राजधानी पब्लिक स्कूल का बड़ा हॉल, दिल्ली

दिनांक : 25 नवंबर 20......

समय : सायं 4 बजे से रात्रि 8 बजे तक

**आयोजक** : साहित्य समिति, राजधानी पब्लिक स्कूल, दिल्ली

**18.** (1) 'बुद्धि ही बल है' विषय पर लघु कथा लगभग 100 शब्दों में लिखिए। **(5 × 1 = 5)**

उत्तर :

**बुद्धि ही बल है**

जंगल में शेर हिंसक हो गया। रोज–रोज कई जानवरों को मार डालता। एक दिन सभी जानवर मिलकर शेर के पास पहुँचे। उन्होंने निवेदन किया, "महाराज! आप हम पर कृपा करें। मानते हैं, आपको भूख लगती है। परंतु रोज तीन–चार जानवर मार डालने से हम बहुत परेशान हो गए हैं। आप आज्ञा करें तो हम हर रोज एक जानवर आपके पास भेज दिया करेंगे। इससे आप भी भागने–दौड़ने से बच जाएँगे।" शेर को विचार पसंद आया। रोज एक जानवर की बारी आने लगीं। एक दिन लोमड़ी की बारी आई। वह जानबूझकर जंगल में देर से पहुँची। इतने में शेर भूख के मारे बिलबिलाने लगा। लोमड़ी बोली, "गुस्सा न हों हुजूर! रास्ते में एक और शेर ने मुझे पकड़ लिया। बड़ी मुश्किल से बचकर आपके पास आई हूँ।", शेर गुस्से में दहाड़कर बोला, "पहले मुझे उस शेर के पास ले चलो। मैं उसका काम तमाम करता हूँ।" लोमड़ी उसे एक कुएँ पर ले गई। कहा–"वह शेर इसके अंदर रहता है। आओ देखो।" शेर ने कुएँ में झाँका तो उसे अपनी परछाई नज़र आई। वह दहाड़ा। बदले में कुएँ से

गूँज सुनाई दी। उसने गुस्से में आकर कुएँ में छलाँग लगा दी। लोमड़ी झूमते हुए जंगल में पहुँची तो सभी जानवर बहुत खुश हुए।

**अथवा**

**(2) अपने क्षेत्र में पार्क का निर्माण करवाने हेतु उद्यान विभाग के सचिव को ई-मेल लिखिए।**

**उत्तर :**

| | |
|---|---|
| From | ramkumar82@gmail.com |
| To | secreaterygd@gmail.com |
| Subject | दिलशाद कॉलोनी में उद्यान के निर्माण हेतु अनुरोध। |

सेवा में,
सचिव
उद्यान विभाग
महोदय,
हम पूर्वी दिल्ली की दिलशाद कॉलोनी के निवासी हैं। डीएलएफ ने इस कॉलोनी की योजना बनाते समय प्रत्येक ब्लॉक में एक पार्क के लिए स्थान छोड़ा था। हमारे डी ब्लॉक में भी एक भूखंड पार्क को लिए सुरक्षित रखा गया था, जिसपर एक लंबे अर्से तक झुग्गी बस्ती बसी रही। नगर निगम ने चार महीने पहले अथक प्रयासों के बाद उस बस्ती को यहाँ से स्थानांतरित कर दिया था। उसके बाद हमें यह उम्मीद बँधी थी कि अब इस भूखंड पर पार्क का निर्माण हो जाएगा, मगर खेद है कि ऐसा अभी तक नहीं हुआ। महोदय, यों तो पार्क आबोहवा के लिए और किसी के भी स्वास्थ्य की दृष्टि नितांत उपयोगी होता ही है, साथ ही हमें यह आशंका बनी हुई है कि यदि बहुत दिनों तक यह भूखंड इसी तरह लावारिस पड़ा रहा तो इसपर फिर किसी का कब्जा हो जाएगा। अतः हमारा अनुरोध है कि पार्क के लिए आरक्षित इस भूखंड पर अविलंब पार्क का निर्माण करवाएँ ताकि हमें खेलने और टहलने के लिए एक स्थान मिल सके और इस भूखंड का सदुपयोग हो सके।
सहयोग की अपेक्षा से
भवदीय
रामकुमार और दिलशाद कॉलोनी के सभी निवासी